सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना तंत्र और संचार माध्यम द्वारा

समाचार पत्रों से कृषि प्रसार

खरीफ गोष्टी में किसानों को किया गया जागरूक

सोमवार को हापुड़ मोहम्मदपुर आजमपुर में आयोजित खरीफ फसल अभियान के दौरान आयोजित गोष्ठी में शामिल किसान। ● हिन्दुस्तान

हापुड़, संवाददाता। खरीफ जागरूकता अभियान के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ द्वारा अंगीकृत ग्राम मोहम्मदपुर आजमपुर में खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया गया।

खरीफ गोष्ठी का शुभारम्भ करते हुये केन्द्र के पशुपालन विशेषज्ञ डा. पीके मडके ने बताया कि प्राकृतिक खेती पद्धति किसानों के लिए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। खेतों में किसान गो आधारित प्राकृतिक पद्धति से खेती करके उत्पादन बढ़ाने के साथ ही अपनी जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने किसानों को पशु किसान क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में भी बताया।

केन्द्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डा. विनिता सिंह ने कृषकों को प्रधानमंत्री कुसुम योजना के बारे में बताया कि पीएम कुसुम योजना के तहत सोलर पंप खरीदने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें 30-30 प्रतिशत अनुदान देती हैं। बाकी 30 प्रतिशत भुगतान के लिए

- जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ा सकते हैं किसान
- क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में भी बताया

किसानों को लोन की सुविधा दी जाती है। इस तरह सिर्फ 10 फीसदी खर्च में किसान सोलर पैनल लगवा सकते हैं। विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) डा. अभिनव कुमार ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के बारे में जानकारी दी कि मिट्टी की सेहत जानने के लिए केंद्र सरकार ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना चलाई है।

इस योजना के तहत किसानों को अपने खेत की मिट्टी का सैंपल लेकर मृदा जांच लैब में भेजना होता है। जिसके बाद लैब की तरफ से मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किया जाता है। इस कार्ड में मिट्टी की कमियां, मिट्टी की आवश्यकता, सही मात्रा में खाद उर्वरक, कौन सी फसल लगाएं जैसी तमाम जानकारियां मौजूद होती हैं।

औषधीय पौधों की परियोजना की किसानों को दी जानकारी

गोष्ठी में किसानों को जानकारी देते विशेषज्ञ● सौ. कृषि विज्ञान केंद्र

बि. हापुड़ : कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ में एमिटी कृषि प्रसार सेवा केंद्र एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा द्वारा बृहस्पतिवार को एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें औषधीय पौधों की परियोजना के अंतर्गत किसानों की क्षमता संवर्धन के लिए राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड की सहभागिता रही।

गोष्ठी में 50 किसानों एवं महिलाओं ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में एमिटी से डाक्टर नीतू सिंह, रोशनलाल, एनएमपीबी से डाक्टर सीपी शुक्ला वैज्ञानिक एवं कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डाक्टर हंसराज सिंह, डाक्टर लक्ष्मीकांत सारस्वत, डाक्टर वीरेंद्रपाल गंगवार और केंद्र के सभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। केंद्र के अध्यक्ष डाक्टर हंसराज सिंह ने किसानों को कवीक की गतिविधियों एक औषधीय पौधों की खेती की महत्ता के बारे में जानकारी दी। डाक्टर लक्ष्मीकांत सारस्वत ने औषधीय पौधों के गुण एवं उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। डाक्टर वीरेंद्रपाल गंगवार ने तुड़ाई

- किसानों की क्षमता संवर्धन को राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड ने की सहभागिता
- परियोजना के उद्देश्यों एवं औषधीय पौधों के उपयोग पर प्रकाश डाला

के बाद प्रबंधन एवं मार्केटिंग की संपूर्ण जानकारी दी। डाक्टर नीतू सिंह ने परियोजना के उद्देश्यों एवं औषधीय पौधों के उपयोग एवं महत्व पर प्रकाश डाला। डाक्टर सीपी शुक्ला ने किसानों की राष्ट्रीय पादप बोर्ड नई दिल्ली की उपलब्धियों के बारे में बताया। रोशन लाल ने एमिटी कृषि प्रसार सेवा केंद्र की 2015 से लेकर किसानों के लिए एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा किए कार्यों की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया।

डाक्टर पीके मडके वैज्ञानिक ने पशुओं का खेती में उपयोग एवं प्रबंधक, डाक्टर अभिनव द्वारा शस्य क्रियाओं एवं डाक्टर विनिता सिंह, गृह विज्ञान द्वारा तुड़ाई के बाद प्रबंधन एवं डाक्टर अशोक सिंह द्वारा मृदा में सुधार एवं नमूने एकत्र करने की जानकारी किसानों को दी।

हुनरमंद महिलाओं के लिए आयोजित होगा कार्यक्रम

जागें, हापुड़ : हुनर से रोजगार एवं महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत हुनरमंद महिलाओं के लिए मेरठ में सरदार वल्लभभाई पटेल विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 15 मार्च से 18 मार्च के बीच आयोजित होगा। विषय विशेषज्ञ डाक्टर विनीता सिंह ने बताया कि जिसमें स्त्रोत की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी और हुनरमंद महिलाओं को सम्मानित करेंगी।

डा.विनीता सिंह●

कृषि विज्ञान केंद्र की विषय विशेषज्ञ डाक्टर विनीता सिंह ने बताया कि सरकार हुनरमंद महिलाओं को प्रोत्साहित करके स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में जिले की उन महिलाओं से संपर्क किया जा रहा है। जो महिलाएं स्टार्टअप करके स्वरोजगार कर रही हैं या करना चाहती हैं।

अमर उजाला

हापुड़

जैविक खेती पर होगा शोध, प्रदेश में लागू होगा हापुड़ का मॉडल

दैनिक भास्कर

देश के विकास के लिए महिला शिक्षा महत्वपूर्ण

भास्कर ब्यूरो/ हापुड़। बुधवार को कृषि विज्ञान केन्द्र, बाबूगढ़ द्वारा अंगीकृत ग्राम सिमरौली में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई। महिला अध्ययन केन्द्र के बारे में केन्द्र प्रभारी डा0 अरविन्द कुमार ने बताया कि महिला अध्ययन केन्द्र का उद्देश्य कोई पाठ्यक्रम संचालित करना नहीं बल्कि बालिकाओं व महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वालंबन के लिए प्रेरित करना है। इस केंद्र के माध्यम से समाज में महिलाओं के विरुद्ध व्याप्त परंपरागत कुरीतियों से उन्हें सजग किया जाएगा तथा सफल महिलाओं के जीवन दर्शन के बारे में उन्हें बताया जायेगा। यह भारत के उज्जवल भविष्य की दिशा में बड़ा कदम है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बाबूगढ़, हापुड़

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ

किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र के संपर्क में रहना आवश्यकः डॉ. अरविन्द कुमार

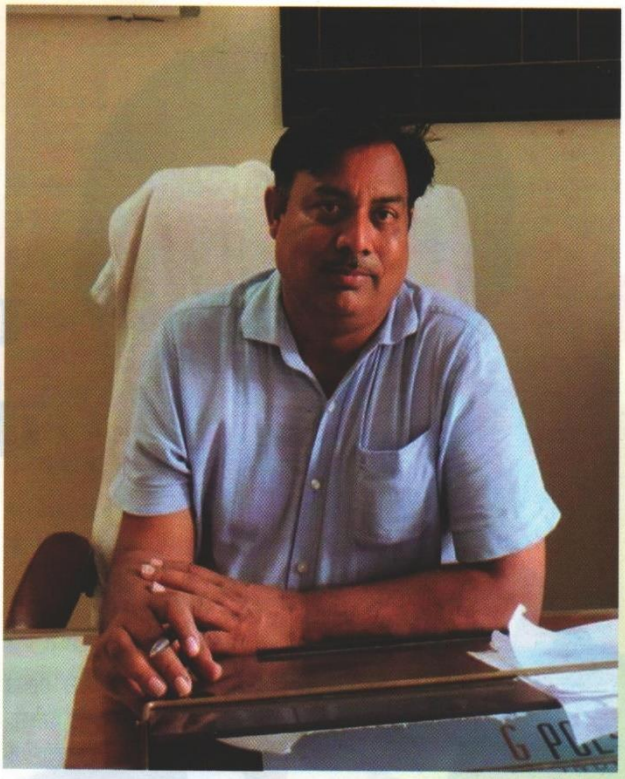

कृषि विज्ञान केंद्र कृषि क्षेत्र का एक बहुत अहम हिस्सा है। किसानों तक कृषि की अत्याधुनिक तकनीकों को पहुंचाने का काम कृषि विज्ञान केंद्र बखूबी कर रहे हैं, जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं। कृषि विज्ञान केंद्र पर कार्यरत कृषि वैज्ञानिक कड़ी मेहनत के साथ किसानों को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ने का काम करते है। ऐसा ही कृषि विज्ञान केंद्र है हापुड़ जिसका कार्यभार संभाल रहे हैं डॉ अरविन्द कुमार जिन्होंने फसल क्रांति को उनके कृषि विज्ञान केंद्र की गतिविधियों के बारे में बताया।

कृषि विज्ञान केंद्र के बारे में आप क्या कहना चाहेंगे ?

कृषि विज्ञान केंद्र के ऊपर किसानों के प्रति काफी जिम्मेदारी होती है। हमारे पास किसानों को आगे बढाने की लिए कई योजनाए हैं जिनको हम किसानों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। हम कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को कृषि की अत्याधुनिक तकनीक के बारे में जागरूक करने का कार्य करते हैं। उनको योजनाओं के बारे में बताते हैं। उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं। इसके साथ ही हम किसानों को मृदा स्वास्थ्य, फसल सुरक्षा प्रबंधन के बारे में जागरूक करते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र की गतिविधियों के बारे में बताएं ?

मैंने हाल ही में कृषि विज्ञान केंद्र हापुड़ का कार्यभार संभाला है। इससे पहले मैं कृषि विज्ञान केंद्र गाजियाबाद में कार्यरत था। हाल ही में हमने केवीके हापुड़ में किसानों के लिए एक गोष्ठी का आयोजन किया था जिसमें किसानों को जागरूक किया गया है। जिसमें हमने किसानों को अत्याधुनिक कृषि तकनीक की जानकारी दी। हम कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हैं। इसके अलावा किसानों को फसल सुरक्षा प्रबंधन की जानकारी देते हैं और समय–समय पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं।

किसानों की समस्याओं का समाधान आप कैसे करते हैं ?

इसके लिए हम कृषि विज्ञान केंद्र पर किसानों को बुलाते हैं। उनकी समस्याओं को सुनते हैं, इसी के साथ हम किसानों के खेतों पर भी जाते हैं और खेत में लगने वाली समस्याओं को देखते हैं। इसके बाद हम किसानों को उनकी समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराते हैं। कई बार फसल में अलग तरह की बीमारियां और कीटों की समस्या आ जाती है। हम समय रहते किसानों को इसके बारे में जागरूक करते हैं। इसी के साथ उनको फसलों के प्रदर्शन भी दिखाए जाते हैं। जिसके माध्यम से किसानों को जानकारी मिलती है।

धान की फसल को लेकर आप किसानों को क्या कहना चाहेंगे ?

किसान भाईयों को मैं बताना चाहूँगा कि हमारे क्षेत्र में गन्ने के साथ ही धान की फसल भी बड़े स्तर पर की जाती है। फ़िलहाल धान की बुवाई पूरी हो चुकी है। मैं किसान भाईयों को कहना चाहूँगा कि खरीफ के सीजन में धान की फसल में कीटों की समस्या ज्यादा रहती है इस समस्या से निजात दिलाने के लिए हमने एक अभियान चलाया हुआ है जिसका नाम है खरीफ अभियान। इसके तहत हम पूरी टीम के साथ गाँव में जाते हैं और किसानों की धान में लगने वाली समस्याओं को सुनते है इसके बाद किसानों को उस समस्या का समाधान उपलब्ध कराते हैं। मेंरा किसानों से अनुरोध है कि वो धान की अच्छी पैदावार लेने के लिए शुरुआत से अंत तक फसल सुरक्षा प्रबंधन का ख्याल रखे और इसी के साथ कुछ सावधानियां बरतें।

किसानों को आप क्या कहना चाहेंगे ?

मैं किसान भाईयों को कहना चाहूँगा कि वो कृषि कि अत्याधुनिक तकनीको को अपनाएं। इससे किसानों को लाभ होगा। किसान यदि अत्याधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएंगे तो उनको लाभ मिलेगा इससे उनकी फसल पैदावार अच्छी होगी और साथ ही लागत भी कम होगी। यदि किसी भी किसान भाई को कोई समस्या होती है तो वो अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर जाकर कृषि वैज्ञानिकों से संपर्क कर सकते हैं।

हिन्दुस्तान : 19/01/2023

सिम्भावली के गांव दत्तियाना में प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी देते वैज्ञानिक।

प्राकृतिक खेती के बारे में दी जानकारी

सिम्भावली। सिम्भावली क्षेत्र के गांव दत्तियाना में बुधवार को राष्ट्रीय कृषि योजना के अंतर्गत प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी गई। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ पीके भडके ने प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी देते हुए बीजामृत एवं जीवामृत पर बनाने एवं फसलों पर प्रयोग की विधी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ अशोक सिंह, रजनीश त्यागी, डॉ विनिता सिंह ने भी जानकारी दी।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

मेरठ
गुरुवार
19 जनवरी 2023
02

दैनिक जागरण : 19/01/23

नई दिल्ली, गुरुवार
19 जनवरी, 2023
हापुड़

किसानों को दिया प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण

गांव दतियाना में किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण देते कृषि विज्ञानी • सौ. केवीके

वि., हापुड़ : गांव दतियाना में प्राकृतिक खेती (राष्ट्रीय कृषि विकास योजना) योजना के अंतर्गत ग्राम स्तर पर एक दिवसीय जागरूकता प्रशिक्षण का आयोजन किया, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. पीके मडके ने प्राकृतिक खेती में बीजामृत एवं जीवामृत बनाने की विधि एवं कमलों पर प्रयोग करने के महत्व को विस्तार से बताया। केंद्र के वैज्ञानिक डा. लक्ष्मीकांत ने प्राकृतिक खेती में वापसा के महत्व पर प्रकाश डाला। वैज्ञानिक/नोडल अधिकारी प्राकृतिक खेती डा. अशोक सिंह ने घनजीवामृत, सीमांत एवं दशवर्षीय बनाने की विधि एवं उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्राकृतिक खेती करने से मृदा स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ माइक्रोबियल एक्टीविटी बढने से उत्पादन भी बढता है। केंद्र के वैज्ञानिक डा. अभिनव कुमार ने प्राकृतिक खेती करने में जायद मौसम में नौ रत्न फसलों के बीज बोने से अगली फसल लेनें से पूर्व हरी खाद के रूप में प्रयोग करने से मृदा स्वास्थ्य में अप्रत्याशित सुधार होता है। केंद्र की गृह वैज्ञानिक डा. विनीता सिंह ने भी प्राकृतिक खेती में अपने विचार रखे। दतियाना ग्राम के प्रगतिशील कृषक एवं प्रधान रजनीश त्यागी ने बताया कि मैंने नींबू के बाग में पूर्णतया वगैर रसायनों के नींबू उत्पादन किया। आइआइएल परियोजना के अंतर्गत लगे आलू फसल पर प्रक्षेव दिवस का आयोजन किया गया।

जागरण सिटी हापुड़/आसपास

अमर उजाला : 19/01/2023

अमर उजाला

दत्तियाना में जैविक विधि से तैयार हो रही केला और नींबू की फसल

संवाद न्यूज एजेंसी

हापुड़। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने बुधवार को गांव दत्तियाना में जैविक विधि से तैयार किए जा रहे केला व नींबू की बागवानी का निरीक्षण किया और मृदा में पोषक तत्वों की उपलब्धता को परखा।

केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. पीके मड़के ने प्राकृतिक खेती में बीजामृत व जीवामृत बनाने की विधि व फसलों पर प्रयोग करने के महत्व को विस्तार से बताया।

वैज्ञानिक डॉ. लक्ष्मीकांत ने प्राकृतिक खेती में वापसा के महत्व पर प्रकाश डाला। वैज्ञानिक/नोडल अधिकारी डॉ. अशोक सिंह ने धनजीवामृत, नीमाक्ष, दशपर्णीय बनाने की विधि व उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती करने से मृदा स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ माइक्रोवियल एक्टीविटी बढ़ने से उत्पादन भी बढ़ता है।

गांव दत्तियाना में प्राकृतिक बागवानी का निरीक्षण करने पहुंचे वैज्ञानिक। संवाद

केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अभिनव कुमार ने बताया कि प्राकृतिक खेती करने में जायद मौसम में नौ रत्न फसलों के बीज बोने से अगली फसल लेने से पूर्व हरी खाद के रूप में प्रयोग करने से मृदा स्वास्थ्य में अप्रत्यासित सुधार होता है। डॉ. विनीता सिंह ने भी किसानों को जागरूक किया।

प्रगतिशील किसान रजनीश त्यागी ने बताया कि उन्होंने बागवानी बिना रसायनों के तैयार की है। वहीं, वैज्ञानिकों ने आलू की फसल को झुलसा से बचाव के टिप्स भी दिए। इस मौके पर डॉ. चरण सिंह, डॉ.राकेश, अखिल कुमार मौजूद रहे।

बृहस्पतिवार • 19.01.2023
amarujala.com/hapur
2

हुनरमंद महिलाओं के लिए आयोजित होगा कार्यक्रम

जासं, हापुड़ : हुनर से रोजगार एवं महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत हुनरमंद महिलाओं के लिए मेरठ में सरदार वल्लभभाई पटेल विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 15 मार्च से 18 मार्च के बीच आयोजित होगा। विषय विशेषक्ष डाक्टर विनीता सिंह ने बताया कि जिसमें सूबे की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी और हुनरमंद महिलाओं को सम्मानित करेंगी।

डा. विनीता सिंह

कृषि विज्ञान केंद्र की विषय विशेषज्ञ डाक्टर विनीता सिंह ने बताया कि सरकार हुनरमंद महिलाओं को प्रोत्साहित करके स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में जिले की उन महिलाओं से संपर्क किया जा रहा है। जो महिलाएं स्टार्टअप करके स्वरोजगार कर रही हैं या करना चाहती हैं।

सरसों के तेल का सेवन करने पर नहीं पड़ेगा हार्टअटैक

हिन्दुस्तान
एक्सक्लूसिव

हापुड़ | मुदित त्यागी

सरसों के तेल के सेवन से अब हार्ट और बीपी की बीमारी नहीं होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र द्वारा इजाद की गई नई वैरायटी पूसा सरसों 31 में यूरेसिक तथा ग्लूकोसाइनाइड एसिड की मात्रा कम होने के कारण हार्ट तथा बीपी की बीमारी से निजात मिल सकेगी। इस तेल को कंपनी से नहीं बल्कि आमजन सीधे किसान से खरीदेंगे। जिससे किसान की आय दोगुनी होगी। कृषि विज्ञान केंद्र के

मिलेगा लाभ

- आईएसआर में पूसा सरसों 31 वैरायटी को तकनीकी पार्क में लगाया जा रहा है
- सरसों के तेल की कंपनी से नहीं बल्कि सीधे किसान से होगी खरीद-फरोख्त

तकनीकि पार्क में 500 ग्राम बीज से फसल बोई जाएगी। इसको बढ़ाने के लिए किसानों को बीज दिया जाएगा।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि सरसों पूसा 31 नई वैरायटी आई है। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र ने पूसा सरसों 31 को इजाद किया है।

डॉ.अशोक,कृषि वैज्ञानिक।

जिसका बीज मेरठ और हापुड़ भी लाया गया है। उन्होंने बताया कि बाबूगढ़ स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकि पार्क में अक्तूबर माह में इसका प्रदर्शन किया जाएगा। करीब 500 ग्राम बीज से यह बोई जाएगी।

> इस सरसों के तल को किसान अगर निकलवाकर अपने पास रखेगा तो तेल कंपनी सफोला आदि से नहीं खरीदा जाएगा। बल्कि दुकानदार सीधे किसान से तेल खरीदेंगे। जिसके चलते किसान की आय दोगुनी हो जाएगी। क्योंकि अभी तक कंपनी केवल बिना एसिड तथा बिना कॉलस्ट्राल के तेल होने का दावा कर बेचती है।
>
> डॉ. अशोक कुमार, कृषि वैज्ञानिक

दिल्ली से 5 किलो बीज लाकर किसानों को दिया गया है। इस वैरायटी को बढ़ाने के लिए प्रदर्शनी के बाद अगली बार किसानों को बोने के लिए दी जाएगी। जिससे इसका धीरे धीरे क्षेत्रफल बढ़ा दिया जाएगा।

अक्तूबर से होती है बुवाई

कृषि वैज्ञानिक बताते हैं कि अभी पूसा सरसों 31 का प्रसार किया जाएगा। एक एकड़ में यह सरसों तकनीकि पार्क में लगाई जा रही है। अक्तूबर माह में सरसों को बोने का समय होता है। जिस कारण पार्क में प्रदर्शनी के बाद किसानों को बोने के लिए एक एक किलो बीज दिया जाएगा।

खेत में बढ़ जाएगी पैदावार

कृषि वैज्ञानिक अशोक बताते हैं कि यह सरसो प्रति हेक्टेयर 25 कुंतल पैदा होगी। यानि कि एक बीघा में 2 कुंतल सरसों पैदा हो सकेगी। उन्होंने बताया कि जो अभी तक इस पर काम किया गया है उसके अनुसार यह सरसों 41.5 प्रतिशत तक उपज देगी। अन्य सरसों 30 से 33 प्रतिशत होती है।

हार्टअटैक और बीपी से मिलेगी निजात

डॉ. अशोक कुमार बताते है कि इस वैरायटी में यूरेसिक एसिड तथा ग्लूकोसाइनाइड एसिड की मात्रा 2.3 पीपीएम है। जबकि अन्य में यह मात्रा ज्यादा होती है। उन्होंने बताया कि इस सरसो में एसिड कम होने तथा कॉल्स्ट्राल कम होने से हार्ट की बीमारी नहीं होगी। जबकि इस तेल का सेवन करने से बीपी की बीमारी भी नहीं होगी। ऑयल कॉन्टेंट ज्यादा तथा कॉल्स्ट्राल न होने के कारण यह तेल इन बीमारियों से मुक्ति दिलाएगा।

अप्रैल
2023

हिन्दुस्तान

पांच दिवसीय कार्यक्रम में दिया जाएगा महिलाओं को प्रशिक्षण

- कार्यक्रम का शुभारम्भ केन्द्र अध्यक्ष डा. हंसराज सिंह ने किया
- कहा, महिलाएं अपने स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान दें

हापुड़, संवाददाता । मंगलवार को कृषि विज्ञान केन्द्र, बाबूगढ़-हापुड़ के सभाकक्ष में गृह विज्ञान विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं के आय सृजन हेतु वाशिंग पाउडर एवं फिनॉयल बनाने के विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ केन्द्र अध्यक्ष डा. हंसराज सिंह ने किया। उन्होंने महिलाओं से कहा कि नए भारत के सपने को साकार करने के लिए महिलाओं को सशक्त, सबल और देश के समग्र विकास में बराबर का भागीदार बनाना आवश्यक है। महिलाएं अपने स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान दें और इनके सशक्तीकरण से ही घर परिवार तथा देश सशक्त होगा। गृह वैज्ञानिक डा. विनिता सिंह ने महिलाओं को बताया कि हम अतिरिक्त आय सृजन हेतु वाशिंग पाउडर एवं फिनॉयल को बनाकर अपने परिवार की आर्थिक व्यवस्था में योगदान कर सकते है।

प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को वाशिंग पाउडर एवं फिनॉयल बनाने तथा बनाकर दिखाने का सजीव प्रदर्शन किया जायेगा। यह प्रशिक्षण दिनांक 25 अप्रैल से 29 अप्रैल तक चलेगा। प्रशिक्षण द्वारा बालिकाओं व महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वालंबन के लिए प्रेरित किया जाएगा। कविता ने वाशिंग पाउडर एवं फिनॉयल बनाने एवं बनाने में आने वाले व्यय तथा इसकी मार्केटिंग पर चर्चा की।

डा. वीरेन्द्र गंगवार, वैज्ञानिक उद्यान ने 23 मार्च, 2023 को विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2023 की थीम फ्यूचर ऑफ वेदर, क्लाइमेट एंड वाटर अक्रॉस जेनरेशन पर चर्चा की। डा. अशोक सिंह, मृदा विशेषज्ञ ने संबोधित करते हुए कहा कि महिला स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़े और अन्य महिलाओं को इस उद्योग के प्रति आकर्षित करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 ग्रामीण महिलाओ ने भाग लिया।

हिन्दुस्त

महिलाओं को फिनायल बनाना सिखाया

हापुड़। गुरुवार को कृषि विज्ञान केन्द्र, बाबूगढ़-हापुड़ के सभाकक्ष में गृह विज्ञान विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं के आय सृजन हेतु बनाने विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरें दिन फिनायल बनाकर महिलाओं को दिखाया गया। केन्द्र अध्यक्ष डा. हंसराज सिंह, गृह वैज्ञानिक डा. विनिता सिंह आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com
शुक्रवार, 19 मई 2023 04

पहले कराएं मिट्टी की जांच फिर करें उर्वरक का इस्तेमाल

हापुड़। खरीफ जागरूकता अभियान 2023 के अन्तर्गत गुरुवार को कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ पर ग्राम सिमरौली एवं ततारपुर में खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया गया। शुभारंभ केंद्र के अध्यक्ष डॉ. हंसराज सिंह ने किया।

खरीफ फसलों जैसे धान, उड़द व मूंग आदि की नवीनतम प्रजातियों की जानकारी भी दी गई। केंद्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. विनिता सिंह ने महिला कृषकों से कुपोषण को दूर करने के लिए पोषण वाटिका में खरीफ में बोई जाने वाली सब्जियों के चयन पर चर्चा की।

केंद्र के पादप प्रजनन विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मीकांत ने केन्द्र के बुवाई से पूर्व बीज शोधन एवं बीज शोधन करने के लाभ पर चर्चा की। विषय वस्तु विशेषज्ञ डा. अभिनव कुमार ने जानकारी दी कि किसान मिट्टी की जांच कराकर ही उर्वरक का इस्तेमाल करें।

केंद्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉ. पीके मडके ने कहा कि प्राकृतिक खेती पद्धति किसानों के लिए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है।

खरीफ गोष्ठी दी गई जानकारी

हापुड़। खरीफ जागरूकता अभियान 2023 के अन्तर्गत 30 मई को कृषि विज्ञान केन्द्र, बाबूगढ़ में खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया गया।

खरीफ गोष्ठी का शुभारम्भ करते हुये केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) डा. अभिनव कुमार ने बुवाई से पूर्व बीज शोधन करना क्यों आवश्यक है केन्द्र के पशुपालन विशेषज्ञ डा. पीके मडके ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती के फायदे एवं गौ आधारित खेती कैसे करें पर चर्चा की। केन्द्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डा. विनिता सिंह ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बारे में चर्चा की ।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
मेरठ, गुरुवार, 18 मई 2023 08

खरीफ फसल उगाएं और किसानों की बढ़ेगी आय

हापुड़। खरीफ जागरूकता अभियान 2023 के अन्तर्गत बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़-हापुड़ द्वारा अंगीकृत ग्राम अट्टा एवं कनिया कल्यानपुर में खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया गया।

डॉ. केके सिंह, कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रो. विश्वविद्यालय के निर्देशन में खरीफ गोष्ठी का शुभारंभ केंद्र अध्यक्ष डॉ. हंसराज सिंह ने किया। उन्होंने कृषकों को खरीफ फसलों जैसे धान, उड़द व मूंग आदि की नवीनतम प्रजातियों की जानकारी दी।

बताया कि अगर हमारा किसान समृद्ध होगा तभी भारत समृद्ध होगा। जनपद हापुड़ के सभी विकास खंडों के ग्रामों में 15 मईसे 31 मई तक खरीफ अभियान का आयोजन कर कृषकों को खरीफ फसलों से उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। केंद्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) डॉ. अभिनव कुमार ने बुवाई से पूर्व बीज शोधन करना क्यों आवश्यक है एवं बीज शोधन करने से क्या लाभ हैं पर चर्चा की। केंद्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉ. पीके ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती के फायदे एवं गौ- आधारित खेती कैसे करें पर चर्चा की।

खरीफ गोष्ठी में किसानों को किया गया जागरूक

सोमवार को हापुड़ मोहम्मदपुर आजमपुर में आयोजित खरीफ फसल अभियान के दौरान आयोजित गोष्ठी में शामिल किसान। ● हिन्दुस्तान

हापुड़, संवाददाता। खरीफ जागरूकता अभियान के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ द्वारा अंगीकृत ग्राम मोहम्मदपुर आजमपुर में खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया गया।

खरीफ गोष्ठी का शुभारम्भ करते हुये केन्द्र के पशुपालन विशेषज्ञ डा. पीके मडके ने बताया कि प्राकृतिक खेती पद्धति किसानों के लिए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। खेतों में किसान गो आधारित प्राकृतिक पद्धति से खेती करके उत्पादन बढ़ाने के साथ ही अपनी जमीन की ऊर्वरा शक्ति भी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने किसानों को पशु किसान क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में भी बताया।

केन्द्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डा. विनिता सिंह ने कृषकों को प्रधानमंत्री कुसुम योजना के बारे में बताया कि पीएम कुसुम योजना के तहत सोलर पंप खरीदने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें 30-30 प्रतिशत अनुदान देती हैं। बाकी 30 प्रतिशत भुगतान के लिए

- जमीन की ऊर्वरा शक्ति भी बढ़ा सकते हैं किसान
- क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में भी बताया

किसानों को लोन की सुविधा दी जाती है। इस तरह सिर्फ 10 फीसदी खर्च में किसान सोलर पैनल लगवा सकते हैं। विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) डा. अभिनव कुमार ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के बारे में जानकारी दी कि मिट्टी की सेहत जानने के लिए केंद्र सरकार ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना चलाई है।

इस योजना के तहत किसानों को अपने खेत की मिट्टी का सैंपल लेकर मृदा जांच लैब में भेजना होता है। जिसके बाद लैब की तरफ से मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किया जाता है। इस कार्ड में मिट्टी की कमियां, मिट्टी की आवश्यकता, सही मात्रा में खाद उर्वरक, कौन सी फसल लगाएं जैसी तमाम जानकारियां मौजूद होती हैं।

मोटे अनाज को उपयोग में लाने से कुपोषण खत्म

जागरुकता

किसानों को बड़े स्तर पर खेती कराने को लेकर जागरुकता

हापुड़, संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के अन्तर्गत बुधवार को कृषि विज्ञान केन्द्र, बाबूगढ़ हापुड़ द्वारा ईवीएस बाबूगढ़ छावनी के फैमली वेलफेयर एसोशियसन हांल में श्री अन्न (मोटे अनाज) पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन ईवीएस चीफ द्वारा किया गया। संवाद कार्यक्रम में केन्द्र अध्यक्ष डा. हंसराज सिंह ने मोटे अनाज का हमारे स्वास्थ्य में महत्व पर विस्तृत रूप से चर्चा की। केन्द्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डा. विनिता सिंह ने बताया कि कुपोषण को दूर करने के लिए मोटे अनाज को अपनी थाली में जगह देनी होगी। कभी गरीबों का अनाज कहकर थाली से बाहर कर दिए गए मोटे अनाज की महत्ता हम सभी को समझना आवश्यक है। आज कुपोषण जैसी समस्या को दूर करने के लिए मोटे अनाज से मिलने वाले भरपूर पोषण एवं छोटे किसानों को मोटा अनाज की खेती करने की आवश्यकता है। विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) डा. अभिनव कुमार ने बताया कि मोटे अनाजों का गौरव वापस लाने से देश तीन क्षेत्रों खाद्य, पोषण तथा अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भर बनेगा। इससे विविधतापूर्ण खेती को बढ़ावा मिलेगा, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी। साथ ही रासायनिक उर्वरकों कीटनाशकों के इस्तेमाल में कमी आएगी। मोटे अनाजों की खेती से बड़ी मात्रा में पानी बचाया जा सकता है। यदि भारत को पोषक खाद्य पदार्थों की मांग से निपटना है तो वर्षाधीन इलाकों में दूसरी हरित क्रांति जरूरी है। जब कृषि शोध और मूल्य नीति मोटे अनाजों को केंद्र में रखकर बने मोटे अनाजों की खेती मुख्य रूप से लघु एवं सीमांत किसान करते हैं, तो उन्हें बढ़ावा देने से छोटी जोतें भी लाभकारी बन जाएंगी।

हापुड़ में फैमली वेल्फेयर एसोसिएशन हॉल में आयोजित सेमिनार में शामिल महिलाएं।

पोषक और सूक्ष्म तत्वों की कमी से बिगड़ रही मिट्टी की सेहत

दैनिक जागरण एक्सक्लूसिव

गौरव भारद्वाज • स्यूड

आशीष सिंह

असंतुलित फसल चक्र और रासायनिक खाद के अंधाधुंध उपयोग से मिट्टी की सेहत को खतरा पैदा हो गया है। पोषक और सूक्ष्म तत्व की कमी से खेत की मिट्टी की सेहत साल दर साल बिगड़ती जा रही है। मिट्टी की सेहत खराब होने का सीधा असर उसकी उपजाऊ शक्ति पर पड़ रहा है। यदि हम इसी तरह आने वाले दस साल तक अधिक उत्पादन की चाह में रासायनिक खाद का उपयोग करते रहे तो हमारे जिले की मिट्टी बंजर जैसी हो जाएगी। सांसद आदर्श गांव अनवरपुर से लिए मिट्टी के नमूनों की रिपोर्ट चौंकाने वाली है।

खेत में खाद बिखेरता किसान • जागरण आर्काइव

जनपद के 88 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल पर खेती की जाती है। इसमें गेहूं, धान, आलू, गन्ना और मक्का आदि प्रमुख फसलें हैं। किसानों की मेहनत से मिट्टी ने खूब सोना उगला, लेकिन अब वहां फसलों का उत्पादन खतरे में पड़ गया है। हाल ये है कि जिले की मिट्टी में जरूरी तत्वों की भारी कमी हो गई। रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से ये समस्या सामने आ रही है। कृषि विभाग द्वारा हर साल जिले भर से मिट्टी के नमूने लेकर उनकी जांच की जाती थी, जिसमें पता चला था कि मिट्टी की उपजाऊ क्षमता लगातार घटती जा रही है, जिसका कारण है कि किसान हर साल उर्वरक की मांग बढ़ाते जा रहे हैं। कृषि विभाग के हर साल किसानों से मांग से अधिक उर्वरक के इस्तेमाल न करने के लिए किसानों में गोष्ठियां आयोजित करता है। बावजूद इसके कोई असर देखने को नहीं मिला रहा है। मिट्टी में पोषक तत्वों की मात्रा दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है। सांसद आदर्श गांव अनवरपुर में पिछले दिनों कृषि विभाग ने मिट्टी के 230 नमूने लिए। जांच रिपोर्ट आने के बाद सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए हैं।

उपकृषि निदेशक डा. बीबी द्विवेदी ने बताया कि जांच रिपोर्ट में आर्गेनिक कार्बन .32 और जिंक महज .28 मिला है। उर्वरकों का इस्तेमाल करने के लिए किसानों को जागरूक किया है।

ये करें उपाय

डा. अशोक सिंह, वैज्ञानिक मृदा विज्ञान ने बताया कि कीटनाशक के प्रयोग से मित्र कीट मर गए तो वहीं खेतों में फसल अवशेष जलाने से सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी आ गई अगर इसमें किसान सुधार करना चाहते है तो उन्हें गोबर की खाद व वर्मी कंपोस्ट का उपयोग करने के साथ ही कीटनाशक के प्रयोग पर प्रभावी रोक लगानी होगी। प्रगतिशील किसान गौरव चौधरी बताते है कि किसानों को हरी खाद के लिए ढैंचा व दलहनी फसलों की बुवाई पर जोर देना होगा। वह अपने खेत की मिट्टी की जांच करवाकर उसके अनुसार ही उर्वरकों व पोषक तत्वों का प्रयोग करें। इसके लिए किसानों को जागरूक होना होगा।

मिट्टी की जांच में मिले तत्वों की स्थिति

तत्वों के नाम	मिली मात्रा	तत्वों के मानक
पावर आफ हाईड्रोजन आयन् (पीएच)	7.41 मध्य	(6.30 से 8.00 तक)
इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी (ईसी)	.43 मध्य	(0.20 से 1.0 तक)
आर्गेनिक कार्बन (ओसी)	.32 न्यूनतम	(.50 से 0.80 तक)
नाइट्रोजन् (एन)	179 किग्रा.	(115 से 250 तक)
फास्फोरस (पी)	18.0 न्यूनतम	(20 से 40 तक)
पोटाश (के)	176 किग्रा.	(101 से 250 तक)
जिंक (जेड्एन)	.28 न्यूनतम	(.60 से 1.2 तक)
कापर (सीयू)	.34 सीमांत मध्य	(.21 से 0.40 तक)
मैन्गीज् (एमएन)	3.22 मध्य	(2.10 से 4.0 तक)
आयरन् (एफई)	6.12 मध्य	(4.10 से)
सल्फर् (एस)	10.24 मध्य	---

नोट- यह आंकड़े कृषि विभाग से लिए गए हैं। मिट्टी के नमूनों की रिपोर्ट प्रति हेक्टेयर के अनुसार दिए गए हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र पर कृषक गोष्ठी कार्यक्रम एवं पौधारोपण किया गया

भास्कर ब्यूरो

हापुड़। कृषि विज्ञान केन्द्र, बाबूगढ़ पर वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत कृषक गोष्ठी कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण किया गया। कृषक गोष्ठी का शुभारम्भ करते हुये केन्द्र प्रभारी डा० अरविन्द कुमार ने कृषक भाईयों एवं कृषक महिलाओं को बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत ही आवश्यक है। वृक्षारोपण कार्यक्रम आज के परिवेश में जन आंदोलन बनाने की जरूरत है। लोगों को जागरूक करने हेतु जन जागृति अभियान चलाया जाना चाहिए। एस०एम०एल० के क्षेत्र प्रबन्धक दिलीप जादौन ने कृषक गोष्ठी में सहभागिता करते हुए कृषकों को मृदा स्वास्थ्य में सल्फर के महत्व के बारे एवं कम्पनी के अन्य उत्पादो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। केन्द्र के पशुपालन विशेषज्ञ डा० पी०के० मडके ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती के फायदे एवं गौ- आधारित खेती कैसे करें पर चर्चा की। केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ, डा० वीरेन्द्र पाल गंगवार ने वृक्षरोपण अभियान के अन्तर्गत बताया कि वृक्ष हमें जीवन प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण को शुद्ध करने का काम करते है। केन्द्र की कृषि प्रसार विशेषज्ञ डा० नीलम कुमारी केन्द्र सरकार की किसान सशक्तिकरण योजना के बारे में महिला कृषकों को बताया कि इस योजना के अन्तर्गत सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना व उन्हें आय के श्रोत उपलब्ध कराना है। कृषि के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, उन्हें इस कार्य के लिए प्रोत्साहित करना तथा कृषि में स्वरोजगार पैदा करना है।

हिन्दुस्तान

महाअभियान कृषि विज्ञान केंद्र में कृषक गोष्ठी और पौधरोपण का आह्वान, पौधे रोपने का किया आह्वान

पर्यावरण की स्वस्थता को पौधरोपण जरुरी

हापुड़, संवाददाता। शनिवार को कृषि विज्ञान केन्द्र, बाबूगढ़ हापुड़ पर पौधा रोपण अभियान 2023 के अन्तर्गत कृषक गोष्ठी कार्यक्रम एवं पौधा रोपण किया गया।

कृषक गोष्ठी का शुभारम्भ करते हुये केन्द्र प्रभारी डा.अरविन्द कुमार ने कृषकों एवं कृषक महिलाओं को बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए पौधा रोपण अत्यंत ही आवश्यक है। पौधा रोपण कार्यक्रम आज के परिवेश में जन आंदोलन बनाने की जरूरत है। लोगों को जागरूक करने हेतु जन जागृति अभियान चलाया जाना चाहिए। जितनी ज्यादा हरियाली विकसित होगी, उतना ही अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण तैयार होगा।

शनिवार को बाबूगढ़ के कृषि विज्ञान केन्द्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मलित लोग।

एसएमएल कम्पनी के क्षेत्र प्रबन्धक दिलीप जादौन ने कृषक गोष्ठी में सहभागिता करते हुए कृषकों को मृदा स्वास्थ्य में सल्फर के महत्व के बारे एवं कम्पनी के अन्य उत्पादो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। केन्द्र के पशुपालन विशेषज्ञ डा. पीके मडके ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती के फायदे एवं गौ- आधारित खेती कैसे करें पर चर्चा की। केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ, डा. वीरेन्द्र पाल गंगवार ने पौधा रोपण अभियान के अन्तर्गत बताया कि वृक्ष हमें जीवन प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण को शुद्ध करने का काम करते है। डा. अशोक सिंह मृदा विशेषज्ञ ने बताया कि पौधे पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ-साथ जीवनदायनी आक्सीजन उपलब्ध कराते है। वस्तु विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) डा. अभिनव कुमार ने बुवाई से पूर्व बीज शोधन करना क्यों आवश्यक है एवं बीज शोधन करने से क्या लाभ है, पर चर्चा की। केन्द्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डा. विनिता सिंह, कृषि प्रसार विशेषज्ञ डा. नीलम कुमारी, सरोज देवी, ग्राम प्रधान सिमरौली, बबीता, लोकेश, डाली, अंजुरानी रहीं।

हिन्दुस्त

किसानों का दल दिल्ली गया

मंगलवार को कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ में ग्रामीणों को पौधे देते अधिकारी।

हापुड़, वरिष्ठ संवाददाता। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का 95 वां स्थापन दिवस देश में हरियाली के अभियान के तहत मनाया जा रहा है। दिल्ली में लग रहे प्रदर्शनी मेले में हापुड़ के 72 किसानों का दल गया जो वहां पर लगे स्टालों से नई जानकारी लेकर आ रहा है। कानपुर से आए कृषि वैज्ञानिकों ने बाबूगढ़ में पौधारोपण किया और कृषि संबंधी जानकारी शेयर की।

बाबूगढ़ कृषि विज्ञान केंद्र से मंगलवार को 72 किसानों का दल दिल्ली में आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 95 वें स्थापना दिवस तथा तकनीकि दिवस पर तकनीकि प्रदर्शनी में गया है। दिल्ली के तकनीकि प्रदर्शनी में लग रहे स्टॉलों पर लग रहे प्रदर्शनी से किसानों ने तकनीकी जानकारी ली। कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ हापुड़ पर डॉ शांतनु कुमार दुबे निदेशक अटारी कानपुर एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ राघवेंद्र सिंह द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 95 स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्र का भ्रमण किया गया निदेशक द्वारा केंद्र परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत आम का वृक्षारोपण किया गया निदेशक अटारी कानपुर द्वारा केंद्र द्वारा कराई जा रहे कार्यो एवं प्रसार गतिविधियों की सराहना की गई।

हिन्दुस्तान

कृषक गोष्ठी में दी किसानों को जानकारी

कृषि विज्ञान केंद्र

सोमवार को कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ में ग्रामीणों को पौधारोपण के लिए पौधे देते अधिकारी।

हापुड़, संवाददाता। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस पर कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ हापुड़ पर वृक्षारोपण व कृषकों की गोष्ठी का आयोजन केन्द्र प्रभारी डा. अरविन्द कुमार के नेतृत्व में किया गया।

गोष्ठी के मुख्य अतिथि हरीश कुमार उपमहाप्रबन्धक, इफ्फको द्वारा कृषकों को नैनो यूरिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पीसीएफ इफ्फको धमेन्द्र सिंह ने भी कृषकों से वृक्षारोपण के लाभ के बारे में चर्चा की। शुभम मिश्रा एजीटी इफ्को ने भी कृषकों को विभिन्न उर्वरकों के बारे में जानकारी दी। प्रभारी अधिकारी डा. अरविन्द कुमार ने कृषकों को भारतीय अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस के बारे में एवं वृक्षारोपण अभियान के बारे में बताते हुये कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा केन्द्र को 3000 पौधों का वृक्षारोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ताकि पर्यावरण संरक्षण व धरा को हरा भरा रखने की परिभाषा को जनपद में साकार किया जा सके। गोष्ठी में केन्द्र के वैज्ञानिको डा. वीरेन्द्र पाल गंगवार, डा. अभिनव कुमार, डा. विनिता सिंह, डा. नीलम कुमारी, डा. अशोक सिंह ने अपने विषय से सम्बन्धित चर्चा कर कृषकों को तकनीकी दिवस के महत्व के बारे में बताया।

प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

पुष्पेन्द्र कुमार ब्यूरो हापुड़

हापुड़। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 95 स्थापना एवं तकनीकी दिवस पर नात कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में दिनांक 16 जुलाई 2023 से 18 जुलाई 2023 तक एक तकनीकी प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है आज दिनांक 18 जुलाई 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ हापुड द्वारा 72 कृषको का दल भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि तकनीकी प्रदर्शनी का अवलोकन करने के लिए नई दिल्ली गया प्रदर्शनी में कृषकों ने सितारों के माध्यम से कृषि की नवीनतम तथ्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ हापुर पर डॉ शांतनु कुमार दुबे निदेशक अटारी कानपुर एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ राघवेंद्र सिंह द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 95 स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्र का भ्रमण किया गया निदेशक द्वारा केंद्र परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत आम का वृक्षारोपण किया गया निदेशक अटारी कानपुर द्वारा केंद्र द्वारा कराई जा रहे कार्यों एवं प्रसार गतिविधियों की सराहना की गई तथा केंद्र पर कार्यरत वैज्ञानिको को संबोधित करते हुए कहां की कृषि की नई नई तकनीकों को प्रदर्शन के माध्यम से खेत तक पहुंचाएं जिससे हमारे कृषक भाई या बहने उन्नत खेती के लिए प्रेरित हो सकें केंद्र के प्रभारी अरविंद कुमार ने अपने संबोधन मैं किसानों से कहां की हमारी केंद्र सरकार व राज्य सरकार विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र कृषक के हित में नवीनतम जानकारियों को उपलब्ध कराने के लिए सदैव तत्पर है

पर्यावरण संरक्षण का बताया महत्व

कृषि विज्ञान केंद्र ने सिमरौली में किया किसान गोष्ठी का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

हापुड़। पौधरोपण अभियान के अंतर्गत बाबूगढ़ कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा गांव सिमरौली स्थित प्राथमिक विद्यालय में कृषक गोष्ठी व वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को पेड़-पौधो की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई।

गोष्ठी का शुभारंभ करते केंद्र प्रभारी डॉ.अरविंद कुमार ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। वृक्षारोपण कार्यक्रम को आज के परिवेश में जन आंदोलन बनाने की जरूरत है। लोगों को जागरूक करने के लिए जन जागृति अभियान चलाया जाना चाहिए, क्योंकि जितनी ज्यादा हरियाली विकसित होगी उतना ही अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण तैयार होगा।

सिमरौली पंचायत घर में पौधरोपण करने पहुंचे कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक। संवाद

केंद्र गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. विनिता सिंह ने कहा कि पेड़-पौधो को मनुष्य का सबसे अच्छा दोस्त कहा जाता है। वास्तव में यदि पेड़ नहीं होते तो धरती पर जन जीवन ही नहीं होता। पेड़ हमें विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों के साथ छाया प्रदान करते हैं। वातावरण को ठंडा बनाते है, वातावरण में नमी के स्तर को नियंत्रित करता है तथा मिट्टी के कटान को रोकने में मदद करता है। वृक्षों से ही पर्यावरण का निर्माण होता है।

केंद्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉ. पीके मडके ने गो आधारित प्राकृतिक खेती के फायदे बताते हुए गौ आधारित खेती करने की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। केंद्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. अभिनव कुमार ने बीज शोधन और मिट्टी परीक्षण के बारे में अवगत कराया। कृषि प्रसार विशेषज्ञ डॉ. नीलम कुमारी ने केंद्र सरकार की किसान सशक्तिकरण योजना के बारे में महिला और कृषकों को जानकारी दी। इस मौके पर ग्राम प्रधान सरोज देवी, बबीता, लोकेश, डाली, अंजु रानी, सुशीला आदि मौजूद रहीं।

हिन्दुस्तान

Newswrap हिन्दुस्तान टीम,हापुड़

Sat, 15 Jul 2023 12:05 AM

शुक्रवार को बाबूगढ़ छावनी कृषि विज्ञान केंद्र पर वृक्षारोपण अभियान के तहत कृषि गोष्ठी का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ अरविंद कुमार के नेतृत्व में किया गया। अरविंद कुमार ने गोष्ठी में किसानों को समझाते हुए कहा की वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। वृक्षारोपण करने से पर्यावरण को संतुलित व स्वस्थ रखा जा सकता है। आज के परिवेश में वृक्षारोपण समय की आवश्यकता है।

पशुपालन विशेषज्ञ डॉ पी के ने किसानों को खेती के फायदे व जल संरक्षण के बारे में जानकारी दी। वहीं डॉ अभिनव कुमार ने बीज शोधन पर वृक्षारोपण के लाभ के विषय में चर्चा की एवं विनीता सिंह ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़ पौधों की वजह से ही हमारा जीवन चल रहा है। वास्तव में पेड़ों से हमारा जीवन है। हमें इन का विशेष ख्याल रखना चाहिए।

गोष्ठी में अट्टा के ग्राम प्रधान वीरेंद्र सिंह ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया एवं गोष्ठी में 25 से अधिक किसानों ने भाग लिया। गोष्ठी के समापन पर डॉ अरविंद कुमार ने सभी किसानों को पौधे वितरित किए।

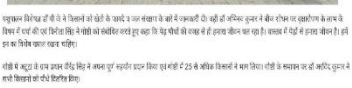

2 मेरठ रविवार, 23 जुलाई 2023 | मेरठ | www.epaper.loksatya.com लोकसत्य

वृक्षारोपण अभियान: कृषि गोष्ठी में बताया गया पौधों का महत्व

हापुड़, लोकसत्य

जनपद हापुड़ के कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ हापुड़ द्वारा वृक्ष रोपण अभियान 2023 के अंतर्गत कृषि गोष्ठी कार्यक्रम एवम वृक्षारोपण किया गया। गोष्ठी में पेड़ों के महत्व के बारे में जानकारी दी गयी।

कृषि गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए केंद्र प्रभारी डॉ अरविंद कुमार ने कृषक भाइयों एवं कृषक महिलाओं को बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत ही आवश्यक है वृक्षारोपण कार्यक्रम आज के परिवेश में जन आंदोलन बनाने की जरूरत है लोगों को जागरूक करने हेतु जन जागृति अभियान चलाया जाना चाहिए जितनी ज्यादा हरियाली विकसित होगी उतना ही अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण तैयार होगा केंद्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉक्टर पी के मडके ने गौ आधारित प्राकृतिक खेती के फायदे एवं गो आधारित खेती कैसे करें पर चर्चा की केंद्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ (शस्य विज्ञान) डॉक्टर अभिनव कुमार ने बुवाई से पूर्व बीज शोधन करना क्यों आवश्यक है एवं बीज शोधन करने में क्या लाभ है पर चर्चा की और किसानों को जानकारी दी की अपने खेत को स्वस्थ रखने के लिए खेत की मिट्टी का परीक्षण जरूर कराएं केंद्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ विनीता सिंह ने बताया कि पेड़ पौधों को मनुष्य का सबसे अच्छा दोस्त कहा जाता है वास्तव में यदि पेड़ नहीं होंगे तो धरती का जनजीवन ही नहीं होगा पेड़ों में विभिन्न प्रकार के फलों सब्जियां प्रदान करते हैं पेड़ पौधे का हम सबको छाया प्रदान करते हैं और वातावरण को ठंडा बनाते हैं वातावरण में नमी के स्तर के नियंत्रित करता है तथा मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद करता है वृक्षों से बहुत सी विशेष मिलती हैं डॉक्टर नीलम कुमारी केंद्र सरकार की किसान शक्ति करण योजनाओं के बारे में महिला कृषकों को बताया कि इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना पर उन्हें आय के स्रोत उपलब्ध कराना है कृषि के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना उन्हें इस कार्य के लिए प्रोत्साहित करना तथा कृषि में रोजगार पैदा करना है गोष्ठी में 150 कृषकों एवं ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया।

www.epaper.loksatya.com लोकसत्य

'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने की हापुड़ में वृक्षारोपण की सराहना

हापुड़, लोकसत्य

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देश भर में चल रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत हापुड़ में किये गये वृक्षारोपण कार्यक्रम की जमकर सहराना की। उन्होंने जनपद वासियों को आगे भी इसी प्रकार कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री द्वारा की गयी जनपद वासियों की सहराना से जनपद वासियों में खुशी की लहर दौड़ गयी।

रविवार को आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम मन की बात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश भर में चलाये जा रहे अनेक कार्यक्रमों एवं योजनाओं के बारे में देश की जनता को जागरूक करने का उत्साह वर्धन किया गया। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नें देश भर में चल रहें वृक्षारोपण कार्यक्रम का जिक्र करतें हुए कहा कि वृक्षारोपण का कार्यक्रम देश भर में चल रहा है। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जनपद के लोगों में वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साह देखनें को मिल रहा है। जनपद हापुड़ की जनता वृक्षारोपण कार्यक्रम में दिल सें वृक्षारोपण करतें हुए प्रकृति को स्वच्छ व सुन्दर बनानें का कार्य कर रहें है। जिससें हापुड़ के जनपद वासी सभी बधाई के पात्र है। वही मन की बात कार्यक्रम को देख रहें जनपद वासियों में प्रधानमंत्री के इस उद्बोधन को सुनकर जनपदवासियों में हर्ष की लहर दौड़ गयी। वही मन की बात कार्यक्रम को भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ धौलाना विधायक धर्मेश तोमर नें देखकर प्रधानमंत्री के इस उद्बोधन की जमकर सहराना करतें हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हापुड़ की जनता सें बहुत ज्यादा लगाव है।

अधिकतम तापमान 29.00° » न्यूनतम तापमान 25.00° » सूर्योदय 5:39 » सूर्यास्त 19:09 » डॉलर 82.84 » यूरो 90.67 »

छोटीबड़ीबात
आज ही के दिन 2019 में भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 तथा 35 ए को समाप्त किया था।

दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार
झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित
dainikbhaskarup.com

उड़द फसल में लगने वाले पीला पत्ता रोग, सफेद मक्खी के द्वारा फैलाया जाता हैं

भास्कर ब्यूरो/हापुड़। कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ पर क्लस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन खरीफ हेतु उड़द बीज का जनपद के कृषकों को वितरण किया गया। वितरण के दौरान कृष को को उच्च क्वालिटी के बीज की बुवाई व अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से एक प्रशिक्षण कराया गया। जिसमें केंद्र के प्रभारी डॉ0 अरविंद कुमार ने उड़द फसल में लगने वाले पीला पत्ता रोग जो कि सफेद मक्खी के द्वारा फैलाया जाता है यह एक विषाणु जनित रोग है जो कि बहुत सारे क्षेत्र में फैल जाता है और किसान भाई परेशान हो जाते हैं जिस की रोकथाम के लिए विस्तृत जानकारी दी गई। डॉक्टर नीलम कुमारी ने कृषक उत्पादक संगठन के बारे में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए बताया कि कैसे कृषक भाई अपनी आय को एसपीओ के माध्यम से बढ़ा सकते हैं और कैसे भी बेहतर मार्केट का लाभ उठा सकते हैं इसी के साथ एफपीओ कैसे कार्य करते हैं और वह कैसे अपने उत्पादों का प्रसंस्करण कर सकते हैं।

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कर उड़द बीज का जनपद के कृषकों को किया वितरण

पुष्पेन्द्र कुमार ब्यूरो

हापुड़। कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ पर क्लस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन खरीफ 2023 हेतु उड़द बीज का जनपद के कृषकों को वितरण किया गया। वितरण के दौरान कृष को को उच्च क्वालिटी के बीज की बुवाई व अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से एक प्रशिक्षण कराया गया जिसमें केंद्र के प्रभारी डॉ अरविंद कुमार ने उर्दू फसल में लगने वाले पीला पत्ता रोग जो कि सफेद मक्खी के द्वारा फैलाया जाता है यह एक विषाणु जनित रोग है जो कि बहुत सारे क्षेत्र में फैल जाता है और किसान भाई परेशान हो जाते हैं जिस की रोकथाम के लिए विस्तृत जानकारी दी गई। डॉक्टर नीलम कुमारी ने कृषक उत्पादक संगठन के बारे में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए बताया कि कैसे कृषक भाई अपनी आय को एसपीओ के माध्यम से बढ़ा सकते हैं और कैसे भी बेहतर मार्केट का लाभ उठा सकते हैं इसी के साथ एफपीओ कैसे कार्य करते हैं और वह कैसे अपने उत्पादों का प्रसंस्करण कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान कृषको ने डॉ पी के मडके डॉक्टर गंगवार जी डॉ विनीता सिंह डॉक्टर नीलम डॉ अभिनव डॉ अशोक आदि के साथ अजोला यूनिट वर्मी कंपोस्ट यूनिट आदि का भ्रमण भी किया।

खरीफ की फसल हेतु उड़द के बीज का कृषकों को किया वितरण

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ हापुड़ पर क्लस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन खरीफ 2023 हेतु उड़द बीज का जनपद के कृषकों को वितरण किया गया। वितरण के दौरान कृष को को उच्च क्वालिटी के बीज की बुवाई व अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से एक प्रशिक्षण कराया गया जिसमें केंद्र के प्रभारी डॉ अरविंद कुमार ने उर्दू फसल में लगने वाले पीला पत्ता रोग जो कि सफेद मक्खी के द्वारा फैलाया जाता है यह एक विषाणु जनित रोग है जो कि बहुत सारे क्षेत्र में फैल जाता है और किसान भाई परेशान हो जाते हैं जिस की रोकथाम के लिए विस्तृत जानकारी दी गई। डॉक्टर नीलम कुमारी ने कृषक उत्पादक संगठन के बारे में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए बताया कि कैसे कृषक भाई अपनी आय को एसपीओ के माध्यम से बढ़ा सकते हैं और कैसे भी बेहतर मार्केट का लाभ उठा सकते हैं इसी के साथ एफपीओ कैसे कार्य करते हैं और वह कैसे अपने उत्पादों का प्रसंस्करण कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान कृषको ने डा. पीके मडके, डा. गंगवार, डा. विनीता सिंह, डा. नीलम, डा. अभिनव, डा. अशोक आदि के साथ अजोला यूनिट वर्मी कंपोस्ट यूनिट आदि का भ्रमण भी किया।

अगस्त
2023

अधिकतम तापमान 31.00° » न्यूनतम तापमान 25.00° » सूर्योदय 5:37 » सूर्यास्त 19:11 » डॉलर 82.25 » यूरो 90.28 »

छोटीबड़ीबात
आज ही के दिन 1878 में भारत के राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' को रचना करने वाले पिंगली वेंकैया का जन्म हुआ था।
क्यूआर कोड स्कैन कर पहुंचे दैनिक भास्कर पर
Web Edition
dainikbhaskarup.com

दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार
नोएडा | वर्ष-14, अंक-44 बुधवार 02 अगस्त 2023 | कुल पृष्ठ 20 | मूल्य 3.00 रुपये
झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

केंचुआ खाद पौधों व फसलों के लिए गुणकारी : डा0 अभिनव

भास्कर ब्यूरो

हापुड़। कम लागत में तैयार करें गुणकारी केंचुआ खाद। खेती में लगने वाले सभी अवयवों की कीमतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में कम लागत से तैयार होने वाले कृषि निवेश वर्तमान समय की मांग है। ऐसा ही एक कृषि निवेश है गुणकारी केंचुआ खाद। कृषि विज्ञान केन्द्र, बाबूगढ़, पर कार्यरत विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य) डा0 अभिनव कुमार ने बताया कि केंचुआ खाद पौधों व फसलों के लिए तो गुणकारी है ही साथ ही पर्यावरण के लिए भी अनूकूल है। इसमें नत्रजन (0.5-1.0 प्रतिशत), फास्फोरस (0.15-0.5 प्रतिशत), पोटाश (0.06-0.30 प्रतिशत) के साथ-साथ द्वितीयक व सूक्ष्म पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त प्रचुर मात्रा में जीवांश कार्बन, लाभकारी सूक्ष्मजीव व पौधो के लिए उपयोगी तत्व भी सम्मिलित हैं। इसे तैयार करने में केंचुऐ की प्रमुख प्रजाति इसीनिया फटीडा प्रयोग में लाई जाती है। एक ओर जहाँ मिट्टी में इसके प्रयोग से पौधों को पोषण मिलता है तो वहीं मृदा स्वास्थ्य में भी सुधार देखने को मिलता है। इसके साथ ही कुछ अन्य उत्पाद जैसे वमीर्वाश भी केंचुए की खाद से बना सकते है जिसका प्रयोग फसलों व पौधों पर प्रर्णीय छिडकाव के रूप में किया जाता है। उन्होंनि यह भी अवगत कराया कि केन्द्र पर एक अल्प लागत केंचुआ खाद इकाई भी प्रदर्शित की गई है जिसका अवलोकन किसान भाई कर सकते है। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रभारी डा0 अरविन्द कुमार ने बताया कि जनपद में पशुपालन अच्छा होने के कारण इसको तैयार करने के लिए उपयोगी गोबर की भी कमी नहीं है। केन्द्र पर एक प्रदर्शन इकाई भी विकसित की गई है यदि इसे वृहद व प्रंबधित तरीके से अपनाया जाए तो ग्रामीण रोजगार का भी सृजन होगा व किसानों की आय में वृद्वि हो सकेगी। जल्द ही केन्द्र पर केंचुआ खाद तैयार करने हेतु प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। इस अवसर पर केन्द्र के अन्य वैज्ञानिक डा0 विनीता सिंह, डा0नीलम कुमारी, डा0 अशोक कुमार, व अखिल मौजूद रहे।

'केंचुआ खाद तैयार करने को दिया जाएगा प्रशिक्षण'

जागरण संवाददाता, हापुड़ : बाबूगढ़ स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डाक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि खेती में लगने वाले सभी अवयवों की कीमतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में कम लागत से तैयार होने वाले कृषि निवेश वर्तमान समय की मांग है। ऐसा ही एक कृषि निवेश गुणकारी केंचुआ खाद है। जल्द ही केंद्र पर केंचुआ खाद तैयार करने हेतु प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

डा.अरविंद कुमार

डाक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि केंचुआ खाद पौधों व फसलों के लिए तो गुणकारी है ही साथ ही पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है। इसमें नत्रजन (0.5-1.0 प्रतिशत), फास्फोरस (0.15-0.5 प्रतिशत), पोटाश (0.06-0.30 प्रतिशत) के साथ-साथ द्वितीयक व सूक्ष्म पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त प्रचुर मात्रा में जीवांश कार्बन, लाभकारी सूक्ष्मजीव व पौधों के लिए उपयोगी तत्व भी सम्मिलित हैं। विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य) डाक्टर अभिनव कुमार ने बताया कि इसे तैयार करने में केंचुए की प्रमुख प्रजाति इसीनिया फटीडा प्रयोग में लाई जाती है। इसके साथ ही कुछ अन्य उत्पाद जैसे वर्मीवाश भी केंचुए की खाद से बना सकते है। इसका प्रयोग फसलों व पौधों पर प्रर्णीय छिड़काव के रूप में किया जाता है।

केंद्र पर मंगलवार को अल्प लागत केंचुआ खाद इकाई भी प्रदर्शित की गई। जिसका अवलोकन किसान भी कर सकते हैं। उन्होंने कृषकों से इसका अवलोकन करने के लिए अपील की है। जिले में पशुपालन अच्छा होने के चलते इसे तैयार करने के लिए उपयोगी गोबर की भी कमी नहीं है।

कृषि विज्ञान केंद्र पर लगाई गई अल्प लागत केंचुआ खाद इकाई • सौ. केंद्र प्रभारी

कम लागत में तैयार करें गुणकारी केंचुआ खाद

मुरली पंडित

हापुड़। खेती में लगने वाले सभी अवयवों की कीमतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में कम लागत से तैयार होने वाले कृषि निवेश वर्तमान समय की मांग है। ऐसा ही एक कृषि निवेश है गुणकारी केंचुआ खाद। कृषि विज्ञान केन्द्र,बाबूगढ़, हापुड़ पर कार्यरत विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य) डा. अभिनव कुमार बताते हैं कि केंचुआ खाद पौधों व फसलों के लिए तो गुणकारी है ही साथ ही पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है। इसमें नत्रजन (0.5-1.0 प्रतिशत), फास्फोरस (0.15-0.5 प्रतिशत), पोटाश (0.06-0.30 प्रतिशत) के साथ-साथ द्वितीयक व सूक्ष्म पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त प्रचुर मात्रा में जीवांश

कार्बन, लाभ... सूक्ष्मजीव व पौधे के... उपयोगी तत्व सम्मिलित हैं। इसे ... करने में केंचुए की प्र... प्रजाति 'इसीनिया फट... प्रयोग में लाई जाती... एक ओर जहाँ मिट्... इसके प्रयोग से पौधे... पोषण मिलता है तो... मृदा स्वास्थ्य में भी सु... देखने को मिलता... इसके साथ ही कुछ ... उत्पाद जैसे 'वर्मीवाश... केंचुए की खाद से... सकते है जिसका प्र... फसलों व पौधों पर प्र... छिड़काव के रूप में कि... जाता है। उन्होंने यह अवगत कराया कि ...

'कृषि उत्पादन में दूसरे स्थान पर आता है देश'

वि., हापुड़ : कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि भारत कृषि उत्पादन में दुनियाभर में दूसरे स्थान पर आता है। भारत के करीब 70 प्रतिशत आबादी कृषि क्षेत्र में काम करती है। कृषि क्षेत्र बाजारोन्मुखी होने के बजाय उत्पादनोन्मुख है और कुल उत्पादन में आधे से अधिक योगदान करने वाले 80 प्रतिशत से अधिक सीमांत किसान हैं।

अरविंद कुमार बुधवार को कृषि उत्पादन संगठन (एफपीओ) के बारे में बैठक कर किसानों के साथ विचार सांझा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के बाद से कृषि प्रणाली ने एक लंबा सफर तय किया है। पूरे देश में प्रौद्योगिकी और कृषि सहायता प्राप्त बुनियादी ढांचे में

अरविंद कुमार

विभिन्न विकास हुए हैं। भारत ने न केवल बेहतर खेती के तरीकों को अपनाया है। बल्कि, इसने बीज की गुणवत्ता, सिंचाई के तरीकों, गुणवत्तापूर्ण उपज, प्रगति को चिह्नित करना, तकनीकी समावेशन, रसद प्रबंधन, भंडारण और कई अन्य चीजें विकसित करने की भी कोशिश की है। भारत में एफपीओ की आवश्यकता किसानों के अपने माल को प्रमुख बाजारों तक पहुंचाने के संघर्ष के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई। एफपीओ छोटे किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज देकर, किसानों को मिट्टी का प्रबंधन करने, कम उर्वरक, खाद, सिंचाई और पशुधन का उपयोग करने के तरीके सिखाकर उनके भोजन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। बड़े और बेहतर बाजारों में माल को बेचने में सहायता करने के साथ-साथ, यह किसानों को अत्याधुनिक कृषि उपकरणों को लागू करने और प्रौद्योगिकी में उन्नयन करने में अद्यतन व सहायता भी करता है। इतने बड़े उद्योग का प्रबंधन और विकास केवल नियामकों द्वारा नहीं किया जा सकता। बहुत सारे जमीनी कार्य, प्रयास और किसान संबंधों की आवश्यकता होती है और एफपीओ इसे पूरा कर रहे हैं।

धान में तना छेदक पर जारी किया अलर्ट

हापुड़, वरिष्ठ संवाददाता। तना छेदक बीमारी ने वेस्ट यूपी की धान फसल में हमला बोल दिया है। बरसात के समय तना छेदक और पत्ती लपेट कीट धान की फसल में लग जाते हैं। तना छेदक कीट की सूंड़ियां काफी हानिकारक होती हैं। यह हल्के पीले शरीर वाली तथा नारंगी-पीले सिर की होती हैं।

रुक जाती है पौधे की बढवार: मादा सूंड़ी के पंख पीले होते हैं। यह पौधे की गोभ में प्रवेश कर जाती हैं, जिससे पौध की

डॉ अरविन्द। • हिन्दुस्तान

बढ़वार रुक जाती है। कीट पौधे के गोभ के तने को काट देती है, जिससे गोभ सूख जाता है और बालियों का रंग सफेद पड़ने लगता है। सूंड़ी हरे रंग के शरीर तथा गहरे भूरे रंग के सिर वाली दो से 2.5 सेमी लंबी होती है।

माटी को नमन, वीरों का वन्दन थीम के अन्तर्गत

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। कृषि विज्ञान केन्द्र, हापुड़ के प्रभारी अधिकारी डा. अरविन्द कुमार के नेतृत्व में ''माटी को नमन वीरों का वन्दन'' थीम के अन्तर्गत केन्द्र द्वारा अंगीकृत ग्राम अटूटा में एक तिरंगा रैली निकाली गई, इसी के साथ कृषकों को जागरूक करते हुए डा. यादव ने बताया कि कृषि में योगदान के साथ वीरों को याद करते हुए कृषकों को नवीनतम तकनीकी के साथ साथ आय दो गुनी करने के विभिन्न आयाम बताये। केन्द्र के वैज्ञानिक डा. अभिवन कुमार ने रैली को सम्बोन्धित करते हुए खरीफ फसलों में विभिन्न सस्य क्रियाओं एवं एजौला प्रयोग के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। केन्द्र की महिला वैज्ञानिक डा. विनीता सिंह ने महिलाओं के उत्थान एवं कृषि में योगदान पर विचार रखें। डा. अशोक सिंह, मृदा

विशेषज्ञ ने कृषकों को मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डा. नीलम कुमारी ने कृषकों को कृषक उत्पादक संगठन तैयार करने हेतु विभिन्न तरीकों से अवगत कराया। ग्राम अटूटा से

धान की फसल में तना छेदक किट एवम गन्ना फसल में पोक्का वोइग बीमारी का जनपद में प्रकोप

संवाददाता भूषण शर्मा प्रथा प्रतिज्ञा

जनपद हापुड़: कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ के प्रभारी अधिकारी डॉ० अरविन्द यादव ने किसानों के खेतो पर भ्रमण कर जायजा लिया और बताया कि कृषको की धान फसल में इस समय तना छेदक का प्रकोप काफी है जिसकी रोकथाम के लिए कृषक भाईयो को जैविक निर्यत्रण प्रबंधक के अंतर्गत ट्राइकों कार्ड द्वारा भी इस कीट का नियत्रण कर सकते हैं जो किसान रासायनिक नियंत्रण से इस कीट की रोकथाम के लिए कॉरटाप 4G 8 किलो प्रति एकड़ की दर से या फरटेरा रासायन द्वारा भी रोकथाम कर सकते हैं केंद्र विशेषज्ञ डॉ अशोक सिंह ने किसानों द्वारा फोन पर आए कॉल में उन्हें गन्ना फसल के पोक्का बोइंग बीमारी आने की बात बताई पोक्का बोइंग बीमारी की रोकथाम के लिए कृषको को कॉपर ऑक्सी क्लोराइड सी ओ सी रासायन की 3 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर 15- 15 दिन के अंतराल पर दो स्प्रे करने की सलाह दी।

हिन्दुस्त

किसानों को यूरिया गोल्ड की विशेषताओं के बारे में बताया

गुरुवार को बाबूगढ़ कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में किसानो को संबोधित करता वक्ता।

हापुड़, संवाददाता। सीकर राजस्थान में आयोजित पीएम किसान सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा किसानों को पीएम किसान निधि के तहत दी गई 14 वीं किस्त का सजीव प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़, हापुड़ पर दिखाया गया।

कार्यालय में नरेन्द्र सिंह तोमर केन्द्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार द्वारा सजीव प्रसारण के माध्यम से यह बताया कि भारत सरकार कृषकों के लिये यूरिया गोल्ड को लांच करने जा रही है। ये इनोवेटिव फर्टीलाईजर नीम कोटेड यूरिया से ज्यादा सस्ता रहेगा और ज्यादा असरदार भी रहेगा। कार्यक्रम के मध्य अतिथि मनीष कुमार पालीवाल, एरिया मैनेजर (कारीगर फोर्ड कम्पनी) उपस्थित थे। कार्यक्रम अध्यक्ष केन्द्र प्रभारी अधिकारी डा.अरविन्द कुमार उपस्थित थे। पशु वैज्ञानिक डा. प्रमोद मड़के, सतेन्द्र शर्मा, मूलचन्द शर्मा रहे।

14 वीं किस्त पीएम किसान निधि के तहत दी गई

- **कृषकों के लिये यूरिया गोल्ड लांच करने जा रही**

छोटी बड़ी बात

दैनिक भास्कर

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

किसानों को पीएम किसान निधि के तहत दी गई जानकारी

हापुड़। कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ पर सीकर राजस्थान में आयोजित पीएम किसान सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा किसानों को पीएम किसान निधि के तहत दी गई 14वी किस्त का सजीव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह तोमर केंद्रीय कृषि मंत्री भारत सरकार द्वारा सजीव प्रसारण के माध्यम से बताया गया कि भारत सरकार द्वारा कृषकों के लिए यूरिया गोल्ड को लॉन्च करने जा रही है। यूरिया गोल्ड एक नए तरह का यूरिया है इसकी सल्फर की कोटिंग की जाती है। उसके जरिए जमीन में हो रही कमी को पूरा करने की कोशिश की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनीष पालीवाल एरिया मैनेजर कारगिर फोर्ड कंपनी, कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र प्रभारी अधिकारी डॉ0 अरविंद कुमार द्वारा की गई। पशु वैज्ञानिक डॉ0 प्रमोद मडके, सत्येंद्र शर्मा, मूलचंद शर्मा सेल्स मैनेजर कारगिर के साथ कृषक एवं कृषक महिला किसान एवं केंद्र के समस्त वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान

धान की फसल पर कीट का हमला, धान की पत्ती पीली पड़ने के बाद सूखने लगी

धान की फसल में तना बेधक कीट का हमला

हापुड़, वरिष्ठ संवाददाता। मौसम में उतार-चढ़ाव के चलते तना छेदक बीमारी ने वेस्ट यूपी की धान फसल में हमला बोल दिया है। तना छेदक रोग धान की फसल को बर्बाद कर सकता है। इसलिए तना छेदक रोग के लिए खेत में 15 से 20 दिन के अंतर पर निगरानी जरूर करते रहना चाहिए और यदि हमारे खेत में एक या दो पौधों में तना छेदक लगा हुआ दिखाई पड़ रहा है, तो हम को तत्काल उसकी रोकथाम के लिए दवाओं का प्रयोग करना चाहिए।

किसानों ने बताया कि तना छेदक रोग पौधे को अंदर से खाता रहता है। उसके बाद तना सूखा हुआ दिखाई पड़ता है, उसके बाद पीला दिखाई पड़ने लगेगा। फिर कुछ दिन बाद पौधा लाल कलर का हो जाएगा और उसके बाद पूरा सूख जाता है। तो इस प्रकार से तना छेदक रोग को पहचान सकते हैं। इसके अंदर जो कीड़ा लगता है वह चावल के दाने जैसा बिल्कुल सफेद होता है। इसका मुंह काला या भूरा होता है। कीट तना के अंदर घुसकर मुलायम भाग को खाता है, जिसके चलते पौधे का तना सूख जाता है। बाद में बालियां सफेद हो जाती है।

- धान में लगी बीमारी से किसान हो रहें है परेशान
- किसानों ने बताया कि तना छेदक रोग पौधे को अंदर से खाता रहता है

01 दो पौधों में रोग दिखाई पड़ रहा है, दवाओं का प्रयोग करना चाहिए

15 दिन के अंतर पर निगरानी जरूर करते रहना चाहिए

मौसम में हो रहे बदलाव से रोग का हमला

कई दिन बारिश के बाद धूप तथा मौसम में नमी के कारण कई खेतों में यह रोग दिखाई दिया है। किसान ने फौदे का फोटो भेजकर इस रोग से बचाव के बारे में पूछा है।
बाबूगढ़ कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी एवं सहनिदेशक कीट विज्ञान डॉ अरविंद कुमार ने बताया कि यह स्टीम बोरर (तना बेधक) रोग हैं। जो मासम बदलाव के चलते धान में लग जाता है। परंतु इस पौधे को उखाड़ कर बाहर फेंक देना चाहिए। दवाईका छिड़काव करना चाहिए। जनपद में धान में तना बेधक रोग आ गया है। किसानों को दिक्कत कर सकता है। इसकी रोकथाम के लिए दवाई का प्रयोग करें।

भारत कृषि उत्पादन में विश्व में दूसरे स्थान पर हैं

बुधवार को हापुड़ देहात क्षेत्र में किसानो से वार्ता करते कृषि वैज्ञानिक। ● हिन्दुस्तान

हापुड़, संवाददाता। बुधवार को बाबूगढ़ स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर किसानों की एक बैठक कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अरविंद कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुई।

डॉक्टर अरविंद कुमार ने किसानों को कृषि उत्पादक संगठन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि भारत कृषि उत्पादन में विश्व में दूसरे स्थान पर हैं वहीं भारत की लगभग 70% आबादी कृषि क्षेत्र में कार्य करती है। भारतवर्ष में कृषि क्षेत्र बाजरों मुखी में होकर उत्पादन उन्मुख है। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के बाद से भारतीय कृषि प्रणाली ने एक लंबा सफर तय किया है। संपूर्ण भारत में प्रौद्योगिकी और कृषि सहायता प्राप्त बुनियादी ढांचे में अनेकों प्रकार के विकास कार्य किए गए हैं। डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र पर एफपीओ की स्थापना एवं नए कृषि तकनीकी की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।

संपादित एवं संकलित

डा० विनिता सिंह
मीडिया प्रभारी/एस०एम०एस० (गृह विज्ञान)